DIGITAL RESOURCE CENTRE (DRC)

CENTRAL LIBRARY

PRESS CLIPPINGS

1-31July

2023

CONTENT

S No	Title	Author	Newspaper	Page No.	Date of Publication
1.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'निधि आपके निकट 2.0' अभियान के अंतर्गत जिला संपर्क कार्यक्रम का हुआ आयोजन		आज समाचार सेवा	7	29 July
2.	आईएफटीएम में हुआ जिला संपर्क कार्यक्रम		हिंदुस्तान	8	29 July
3.	आईएफटीएम में' जिला संपर्क कार्यक्रम' का आयोजन		शाह टाइम्स	9	29 July
4.	एनसीसी कैडेटस ने देश के वीर सपूतों को किया नमन		दैनिक जागरण	10	27 July
5.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मनाई गई "कारगिल विजय दिवस ' की 24वीं वर्षगांठ		शाह टाइम्स	11	27 July
6.	आईएफटीएम में मनाई गई कारगिल विजय दिवस की 24वीं वर्षगांठ		विधान केसरी	12	27 July
7.	आईएफटीएम में मनाया कारगिल विजय दिवस		हिंदुस्तान	13	27 July
8.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मनाया गया भारत माता के वीर सपूत चन्द्रशेखर आजाद का जन्मदिन		युग बंधू समाचार	14	25 July
9.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मनाया गया भारत माता के वीर सपूत चन्द्रशेखर		दैनिक जागरण	15	25 July

	आजाद का जन्मदिन				
10.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मनाया गया भारत माता के वीर सपूत चन्द्रशेखर आजाद का जन्मदिन		आज समाचार सेवा	16	25 JULY
11.	बीर चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई		अमरउजाला	17	25 JULY
12.	आईएफटीएम में आजाद का जन्मदिन मनाया		हिंदुस्तान	18	25 JULY
13.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मनाया गया भारत माता के वीर सपूत चन्द्रशेखर आजाद का जन्मदिन		विधान केसरी	19	25 JULY
14.	कार्यशाला: सड़क सुरक्षा के दिए टिप्स		हिंदुस्तान	20	21 JULY
15.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में सड़क सरक्षा विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन		युग बंधू समाचार	21	21 JULY
16.	आईएफटीएम में शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने ली सड़क सुरक्षा की शपथ		शाह टाइम्स	22	21 JULY
17.	आईएफटीएम में 'सड़क सुरक्षा ' विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन		आज समाचार सेवा	23	21 JULY
18.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में सड़क सरक्षा विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन		युग बंधू समाचार	24	21 JULY
19.	आईएफटीएम में 'सड़क सुरक्षा ' विषय पर कार्यशाला का आयोजन		शाह टाइम्स	25	21 JULY
20.	आईएफटीएम में शिक्षकों, शिक्षणेत्तर		विधान केसरी	26	21 JULY

	कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों नेली सड़क सुरक्षा की शपथ				
21.	आईएफटीएम में 'आईसीएआर के स्थापना दिवस के अवसर पर हुआ वृक्षारोपण		शाह टाइम्स	27	17 July
22.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'आईसीएआर' के स्थापना दिवस के अवसर पर हुआ वृक्षारोपण		आज समाचार सेवा	28	17 July
23.	'आईसीएआर' के स्थापना दिवस पर पौधारोपण		दैनिक जागरण	29	17 July
24.	आईएफटीएम में 'आईसीएआर' के स्थापना दिवस पर पौधारोपण		अमर उजाला	30	17 July
25.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'आईसीएआर' के स्थापना दिवस के अवसर पर हुआ वृक्षारोपण		युगबंधूसमाचार	31	17 July
26.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'आईसीएआर' के स्थापना दिवस के अवसर पर हुआ वृक्षारोपण		विधान केसरी	32	17 July
27.	आईएफटीएम के शिक्षकों की पुस्तक का विमोचन		हिंदुस्तान	33	16 July
28.	आईएफटीएम के शिक्षकों की पुस्तक का किया गया विमोचन		दैनिक जागरण	34	16 July
29.	शिक्षकों की पुस्तक का हुआ विमोचन		अमर उजाला	35	16 July
30.	आईएफटीएम के शिक्षकों की पुस्तक का हुआ विमोचन		आज समाचार सेवा	36	16 July

31.	आईएफटीएम के शिक्षक प्रो. अरुणकुमार मिश्रा, डॉ. हरप्रीतसिंह एवं प्रो. राकेश कुमार यादव की पुस्तक का हुआ विमोचन		युग बंधू समाचार	37	16 JULY
32.	उद्यमिता विकसित करने में मदद कर रहा आईएफटीएम		हिंदुस्तान	38	13 JULY
33.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मशरूम उत्पादन ओर तकनीकी सहायता केंद्र द्वारा किया जा रहा ग्रामीणों का सहयोग		युग बंधू समाचार	39	13 JULY
34.	आईएफटीएम मेंमशरूम उत्पादन ओर तकनीकी सहायता केंद्र द्वारा किया जा रहा ग्रामीणों का सहयोग		विधान केसरी	40	13 JULY
35.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मनोजकुमार को '26 वीं इलेट्स वर्ल्ड एजूकेशन समिट 2023 ' में किया सम्मानित		आज समाचार सेवा	41	11 JULY
36.	आईएफटीएम विवि के प्रोफेसर को मिला सम्मान		हिंदुस्तान	42	11JULY
37.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मनोज कुमार को 21वीं इलेट्स वर्ल्ड एजूकेशन समिट 2023 में किया गया सम्मानित		युग बंधू समाचार	43	11JULY
38.	मनोजकुमार को मिला राउंडटेबल स्पीकर प्रमाण पत्र सम्मान		अमर उजाला	44	11JULY
39.	आईएफटीएम के प्रोफेसर मनोज कुमार को 26 वीं इलेट्स वर्ल्ड एजूकेशन समिट		शाह टाइम्स	45	11JULY

	2023 ' में किया सम्मानित				
40.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 24 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स ने चलाया वृक्षारोपण अभियान		शाह टाइम्स	46	09July
41.	आईएफटीएममें 24 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा चलाया गया वृक्षारोपण अभियान		आज समाचार सेवा	47	09July
42.	कैडेटस ने चलाया पौधरोपण अभियान		हिंदुस्तान	48	09July
43.	राज्यपाल ने किया पुस्तक का विमोचन		हिंदुस्तान	49	08July
44.	राज्यपाल ने किया डॉ. अभिषेक तिवारी की पुस्तक का विमोचन		अमर उजाला	50	08 July
45.	राज्यपाल ने किया आईएफटीएम यूनिवर्सिटी के फामेर्सी संकाय के डॉ. अभिषेक तिवारी की पुस्तक का विमोचन		विधान केसरी	51	07 July
46.	राज्यपाल ने किया आईएफटीएम के फामेर्सी संकाय के डॉ. अभिषेक तिवारी की पुस्तक का विमोचन		शाह टाइम्स	52	07July

July 29

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'निधि आपके निकट 2.0' अभियान के अंतर्गत जिला संपर्क कार्यक्रम का हुआ आयोजन

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुपालन में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय बरेली द्वारा विगत माह की भाँति इस माह भी दिनांक 27 जुलाई 2023 को निधि आपके निकट 2.0 अभियान के अंतर्गत जिला नोडल अधिकारी श्री रमेश चन्द्र के नेतृत्व में जिला संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को विश्वविद्यालय की ओर से हर सम्भव सहयोग प्राप्त होने का सहर्ष आश्वासन दिया। सहायक आयुक्त श्री मनोज कुमार गुप्ता कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे। इस अवसर पर भविष्य निधि संगठन की प्रयास योजना के अंतर्गत सहायक आयुक्त एवं लेखाधिकारी श्री रमेश चन्द्र द्वारा जुलाई माह में सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों को उनके पी0पी0ओ0 (पेंशन भुगतान आदेश) की प्रति प्रदान की गई। इस मौके पर सहायक आयुक्त महोदय ने बताया कि सभी सदस्य अपना ई-नॉमिनेशन फाइल करना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त आयुक्त महोदय ने के0वाई0सी0 शत् प्रतिशत करने के लिए प्रतिष्ठानों को निर्देशित किया।

कार्यक्रम के दौरान श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव, डी0पी0ए0 ने 'निधि आपके निकट' कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पहले यह कार्यक्रम केवल बरेली कार्यालय में आयोजित होने के कारण बरेली कार्यालय के अंतर्गत आने वाले अन्य 7 जिलों की समस्याओं का निराकरण तत्परता से नहीं हो पाता था। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि अब प्रत्येक जिले में प्रत्येक माह की 27 तारीख को सभी जिलों में कार्यक्रम के आयोजन एक साथ होने से प्रत्येक जिले के कामगारों की कठिनाई को कम किया जा सका है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में क्षेत्रीय कार्यालय बरेली से श्री रमेश चन्द्र, ले0अ0, श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव, डी0पी0ए0, श्री आशीष रायजादा, अनु0पर्य0 एवं आईएफटीएम विश्वविद्यालय से उप कुलसचिव, एकाउन्ट्स श्री हितेश अग्रवाल एवं उप कुलसचिव, एस्टेब्लिशमेंट श्री अतुल मिश्रा उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद, शनिवार, 29 जुलाई 2023 06

आईएफटीएम में जिला संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आईएफटीएम में हुआ जिला संपर्क कार्यक्रम

मुरादाबाद। आईएफटीएम में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय बरेली की ओर से निधि आपके निकट 2.0 अभियान के अंतर्गत जिला संपर्क कार्यक्रम हुआ। कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने विश्वविद्यालय की ओर से हर संभव सहयोग प्राप्त होने का सहर्ष आश्वासन दिया। सहायक आयुक्त मनोज कुमार गुप्ता कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे। संतोष कुमार श्रीवास्तव, आशीष रहे।

आईएफटीएम में 'जिला संपर्क कार्यक्रम' का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुपालन में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय बरेली द्वारा विगत माह की भांति इस माह भी दिनांक 27 जुलाई 2023 को "निधि आपके निकट 2.0" अभियान के अंतर्गत जिला नोडल अधिकारी श्री रमेश चन्द्र के नेतृत्व में "जिला संपर्क कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को विश्व. विद्यालय की ओर से हर सम्भव सहयोग प्राप्त होने का सहर्ष आश्वा. सन दिया। सहायक आयुक्त श्री मनोज कुमार गुप्ता कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे। इस अवसर पर भविष्य निधि संगठन की प्रयास योजना के अंतर्गत सहायक आयुक्त एवं लेखाधिकारी श्री रमेश चन्द्र द्वारा जुलाई माह में सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों को उनके पी0पी0ओ0 (पेंशन भुगतान आदेश) की प्रति प्रदान की गई। इस मौके पर सहायक आयुक्त महोदय ने बताया कि सभी सदस्य अपना ई-नॉमिनेशन फाइल करना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त आयुक्त महोदय ने के0वाई0सी0 शत् प्रतिशत करने के लिए प्रतिष्ठानों को निर्देशित किया। कार्यक्रम के दौरान श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव, डी0पी0ए0 ने 'निधि आपके निकट' कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पहले यह कार्यक्रम केवल बरेली कार्यालय में आयोजित होने के कारण बरेली कार्यालय के अंतर्गत आने वाले अन्य 7 जिलों की समस्याओं का निराकरण तत्परता से नहीं हो पाता था। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि अब प्रत्येक जिले में प्रत्येक माह की 27 तारीख को सभी जिलों में कार्यक्रम के आयोजन एक साथ होने से प्रत्येक जिले के कामगारों की कठिनाई को कम किया जा सका है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में क्षेत्रीय कार्यालय बरेली से रमेश चन्द्र, ले0अ0, संतोष कुमार श्रीवास्तव, डीपीए, आशीष रायजादा, अनु0पर्य0 एवं आईएफटीएम विश्वविद्यालय से उप कुलसचिव, एकाउन्ट्स श्री हितेश अग्रवाल एवं उप कुलसचिव, एस्टेब्लिशमेंट अतुल मिश्रा उपस्थित रहे।

JULY 27

4 दैनिक जागरण मुरादाबाद, 27 जुलाई, 2023

एनसीसी कैडेट्स ने देश के वीर सपूतों को किया नमन

मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय में एनसीसी की 24 यूपी बटालियन और 9 यूपी गर्ल्स बटालियन की ओर से यूनिट्स के एनसीसी कैडेट्स की ओर से 'कारगिल विजय दिवस' की 24वीं वर्षगांठ मनाई गई। कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों को नमन करते हुए उनके चित्रों के समक्ष पुष्पार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर 24 यूपी बटालियन के सूबेदार यशपाल सिंह ने कहा कि कारगिल युद्ध हमारे भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस का एक उदाहरण है और हमें राष्ट्र की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने हेतु प्रेरित करता है। पाकिस्तान की सेना को धूल चटाकर चोटी पर तिरंगा फहराया। सैनिकों के साहस और पराक्रम को कभी भुलाया नहीं जा सकता। प्रो. (मेजर) राजकुमारी सिंह ने भी विचार रखे। विश्वविद्यालय की एनसीसी इकाई के केयरटेकर अधिकारी प्रो. योगेंद्र सिंह, लेफ्टिनेंट डा. शिल्पी गुप्ता, हवलदार शमीम अहमद, सूबेदार यशपाल सिंह समेत देवऋषि पांडे, ईश्वर सिंह, गंगा प्रसाद ओझा, सहगल मलिक, आजाद सिंह, अनीश, सचिन एवं अलीशा यादव आदि एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे। वि.

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मनाई गई 'कारगिल विजय दिवस' की 24वीं वर्षगांठ

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्व विद्यालय में एनसीसी की 24 यूपी बटालियन और 9 यूपी गर्ल्स बटालियन की ओर से यूनिट्स के कैडेट्स द्वारा 'कारगिल विजय दिवस' की 24वीं वर्षगांठ मनाई गई। कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों को नमन करते हुए उनके चित्रों के समक्ष पुष्पार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कारगिल युद्ध में भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय के नाम से बनाई गई योजना के तहत पाकिस्तानी सेना को खदेड़ दिया था। इस मौके पर 24 यूपी बटालियन के सूबेदार यशपाल सिंह ने कहा कि कारगिल युद्ध हमारे भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस का एक उदाहरण है और हमें राष्ट्र की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने हेतु प्रेरित करता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस युद्ध में भारतीय जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने जान की बाजी लगा दी थी। प्रो. (मेजर) राजकुमारी सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत वीरों की भूमि है, जिसने हमेशा

दुश्मनों को छक्के छुड़ाए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कारगिल युद्ध में विजय हासिल करना भारत के लिए अत्यंत गौरव की बात है। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की एनसीसी ईकाई के केयरटेकर अधिकारी प्रो. योगेंद्र सिंह, लेफ्टिनेंट डॉ. शिल्पी गुप्ता, हवलदार शमीम अहमद, सूबेदार यशपाल सिंह समेत देवऋषि पांडे, ईश्वर सिंह, गंगा प्रसाद ओझा, सहगल मलिक, आजाद सिंह, अनीश, सचिन एवं अलीशा यादव आदि एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।

आईएफटीएम में मनाई गई कारगिल विजय दिवस की 24वीं वर्षगांठ

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में एनसीसी की 24 यूपी बटालियन और 9 यूपी गर्ल्स बटालियन की ओर से यूनिट्स के कैडेट्स द्वारा कारगिल विजय दिवस की 24वीं वर्षगांठ मनाई गई। कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों को नमन करते हुए उनके चित्रों के समक्ष पुष्पार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कारगिल युद्ध में भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय के नाम से बनाई गई योजना के तहत पाकिस्तानी सेना को खदेड़ दिया था। इस मौके पर 24 यूपी बटालियन के सूबेदार यशपाल सिंह ने कहा कि कारगिल युद्ध हमारे भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस का एक उदाहरण है और हमें राष्ट्र की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने हेतु प्रेरित करता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस युद्ध में भारतीय जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने जान की बाजी लगा दी थी। प्रो. (मेजर) राजकुमारी सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत वीरों की भूमि है, जिसने हमेशा दुश्मनों को छक्के छुड़ाए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कारगिल युद्ध में विजय हासिल करना भारत के लिए अत्यंत गौरव की बात है।

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की एनसीसी ईकाई के केयरटेकर अधिकारी प्रो. योगेंद्र सिंह, लेफ्टिनेंट डॉ. शिल्पी गुप्ता, हवलदार शमीम अहमद, सूबेदार यशपाल सिंह समेत देवऋषि पांडे, ईश्वर सिंह, गंगा प्रसाद ओझा, सहगल मलिक, आजाद सिंह, अनीश, सचिन एवं अलीशा यादव आदि एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।

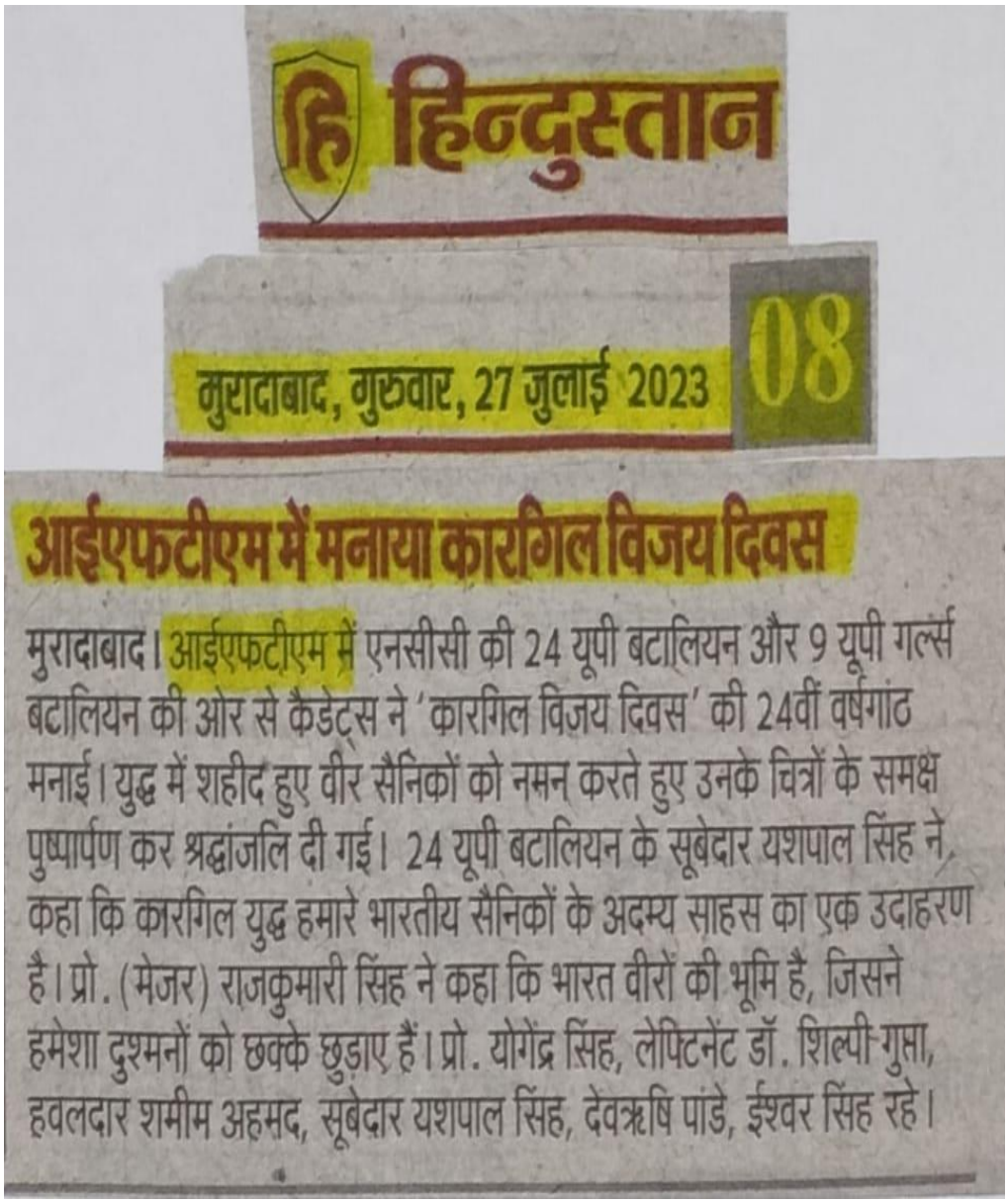

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, गुरुवार, 27 जुलाई 2023 08

आईएफटीएम में मनाया कारगिल विजय दिवस

मुरादाबाद। आईएफटीएम में एनसीसी की 24 यूपी बटालियन और 9 यूपी गर्ल्स बटालियन की ओर से कैडेट्स ने 'कारगिल विजय दिवस' की 24वीं वर्षगांठ मनाई। युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों को नमन करते हुए उनके चित्रों के समक्ष पुष्पार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। 24 यूपी बटालियन के सूबेदार यशपाल सिंह ने, कहा कि कारगिल युद्ध हमारे भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस का एक उदाहरण है। प्रो. (मेजर) राजकुमारी सिंह ने कहा कि भारत वीरों की भूमि है, जिसने हमेशा दुश्मनों को छक्के छुड़ाए हैं। प्रो. योगेंद्र सिंह, लेफ्टिनेंट डॉ. शिल्पी गुप्ता, हवलदार शमीम अहमद, सूबेदार यशपाल सिंह, देवऋषि पांडे, ईश्वर सिंह रहे।

July 25

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मनाया गया भारत माता के वीर सपूत चन्द्रशेखर आजाद का जन्मदिन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से स्कूल ऑफ साइंसेज के

सभागार में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं लोकप्रिय स्वतंत्रता सेनानी चन्द्रशेखर आजाद का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि महानायक चंद्रशेखर आजाद का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय योगदान रहा। उन्होंने यह भी बताया कि चन्द्रशेखर आजाद ने संकल्प लिया था कि वे न कभी पकड़े जाएंगे और न ब्रिटिश सरकार उन्हें फांसी दे सकेगी, इसी संकल्प को पूरा करने के लिए उन्होंने स्वयं को गोली मारकर अपने प्राणों की आहुति दे दी।

कार्यक्रम के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि चंद्रशेखर आजाद हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में उनकी बहादुरी को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि चंद्रशेखर आजाद आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं तथा उन्हें देशभक्ति का प्रतीक माना जाता है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा तथा आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राकेश कुमार यादव ने भी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक चंद्रशेखर आजाद के संबन्ध में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों एवं शिक्षकगणों ने चंद्रशेखर आजाद के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित किए और उन्हें याद किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल ऑफ साइंसेज के डॉ. अशोक कुमार एवं श्री दीपक शर्मा सहित स्कूल ऑफ साइंसेज के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मनाया गया भारत माता के वीर सपूत चन्द्रशेखर आजाद का जन्मदिन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से स्कूल ऑफ साइंसेज के सभागार में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं लोकप्रिय स्वतंत्रता सेनानी चन्द्रशेखर आजाद का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि महानायक चंद्रशेखर आजाद का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय योगदान रहा। उन्होंने यह भी बताया कि चन्द्रशेखर आजाद ने संकल्प लिया था कि वे न कभी पकड़े जाएंगे और न ब्रिटिश सरकार उन्हें फांसी दे सकेगी, इसी संकल्प को पूरा करने के लिए उन्होंने स्वयं को गोली मारकर अपने प्राणों की आहुति दे दी। कार्यक्रम के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि चंद्रशेखर आजाद हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में उनकी बहादुरी को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि चंद्रशेखर आजाद आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं तथा उन्हें देशभक्ति का प्रतीक माना जाता है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा तथा आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राकेश कुमार यादव ने भी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक चंद्रशेखर आजाद के संबन्ध में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों एवं शिक्षकगणों ने चंद्रशेखर आजाद के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित किए और उन्हें याद किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल ऑफ साइंसेज के डॉ. अशोक कुमार एवं श्री दीपक शर्मा सहित स्कूल ऑफ साइंसेज के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मनाया गया भारत माता के वीर सपूत चन्द्रशेखर आजाद का जन्मदिन

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से स्कूल ऑफ साइंसेज के सभागार में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं लोकप्रिय स्वतंत्रता सेनानी चन्द्रशेखर आजाद का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि महानायक चंद्रशेखर आजाद का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय योगदान रहा। उन्होंने यह भी बताया कि चन्द्रशेखर आजाद ने संकल्प लिया था कि वे न कभी पकड़े जाएंगे और न ब्रिटिश सरकार उन्हें फांसी दे सकेगी, इसी संकल्प को पूरा करने के लिए उन्होंने स्वयं को गोली मारकर अपने प्राणों की आहुति दे दी।

कार्यक्रम के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि चंद्रशेखर आजाद हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में उनकी बहादुरी को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि चंद्रशेखर आजाद आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं तथा उन्हें देशभक्ति का प्रतीक माना जाता है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा तथा आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राकेश कुमार यादव ने भी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक चंद्रशेखर आजाद के संबन्ध में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों एवं शिक्षकगणों ने चंद्रशेखर आजाद के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित किए और उन्हें याद किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल ऑफ साइंसेज के डॉ. अशोक कुमार एवं श्री दीपक शर्मा सहित स्कूल ऑफ साइंसेज के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा।

अमर उजाला

amarujala.com

मुरादाबाद | मंगलवार, 25 जुलाई 2023

5

वीर चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई

मुरादाबाद। आईएफटीएम विवि में भारत माता के वीर सपूत चंद्रशेखर आजाद की जयंती राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने मनाई। स्कूल ऑफ साइंसेज के सभागार में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि महानायक चंद्रशेखर आजाद का स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय योगदान रहा। आजाद ने संकल्प लिया था कि वह न कभी पकड़े जाएंगे और न ब्रिटिश सरकार उन्हें फांसी दे सकेगी, इसी संकल्प को पूरा करने के लिए उन्होंने स्वयं को गोली मारकर अपने प्राणों की आहुति दे दी। कार्यक्रम के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बीके सिंह ने कहा कि आजाद हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। ब्यूरो

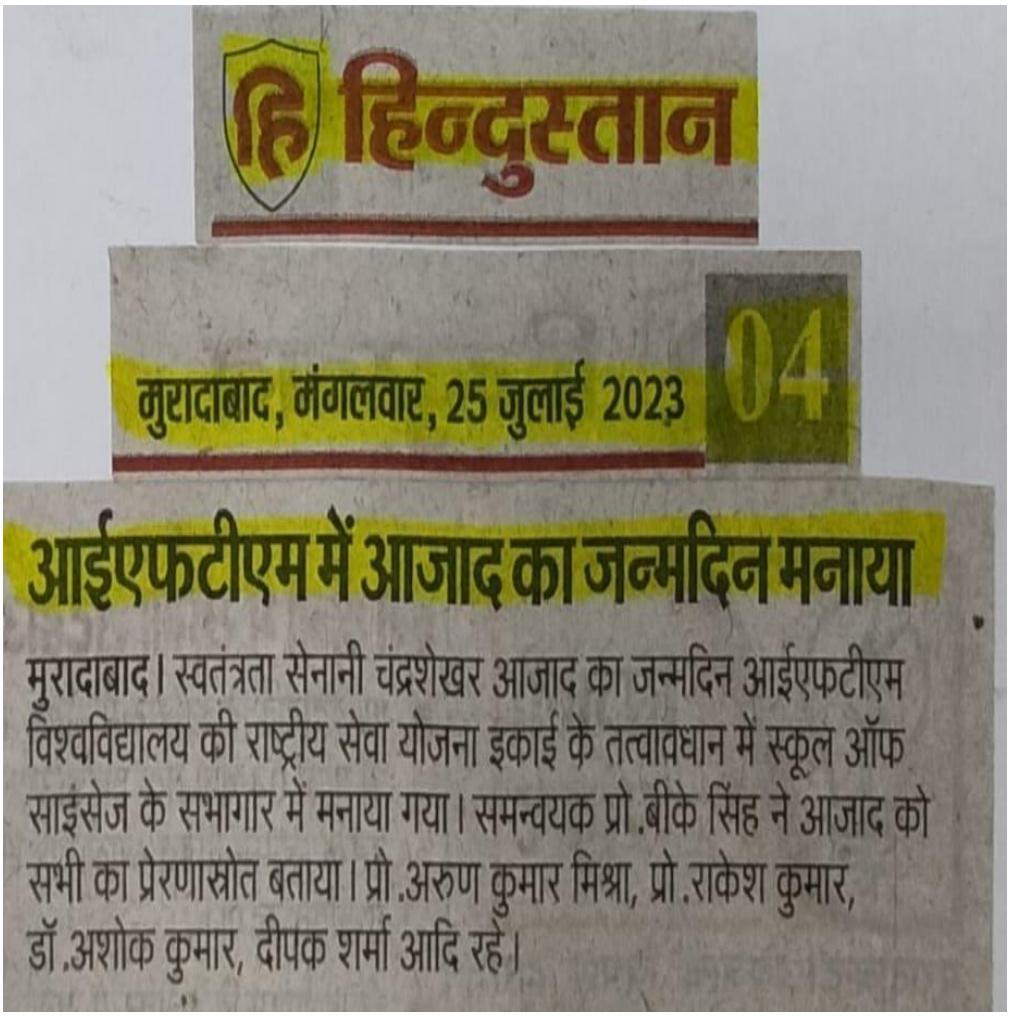

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, मंगलवार, 25 जुलाई 2023 04

आईएफटीएम में आजाद का जन्मदिन मनाया

मुरादाबाद। स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद का जन्मदिन आईएफटीएम विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में स्कूल ऑफ साइंसेज के सभागार में मनाया गया। समन्वयक प्रो.बीके सिंह ने आजाद को सभी का प्रेरणास्रोत बताया। प्रो.अरुण कुमार मिश्रा, प्रो.राकेश कुमार, डॉ.अशोक कुमार, दीपक शर्मा आदि रहे।

JULY 21

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मनाया गया भारत माता के वीर सपूत चन्द्रशेखर आजाद का जन्मदिन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से स्कूल ऑफ साइंसेज के सभागार में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं लोकप्रिय स्वतंत्रता सेनानी चन्द्रशेखर आजाद का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि महानायक चंद्रशेखर आजाद का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय योगदान रहा। उन्होंने यह भी बताया कि चन्द्रशेखर आजाद ने संकल्प लिया था कि वे न कभी पकड़े जाएंगे और न ब्रिटिश सरकार उन्हें फांसी दे सकेगी, इसी संकल्प को पूरा करने के लिए उन्होंने स्वयं को गोली मारकर अपने प्राणों की आहुति दे दी।

कार्यक्रम के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि चंद्रशेखर आजाद हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में उनकी बहादुरी को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि चंद्रशेखर आजाद आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं तथा उन्हें देशभक्ति का प्रतीक माना जाता है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा तथा आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राकेश कुमार यादव ने भी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक चंद्रशेखर आजाद के संबन्ध में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों एवं शिक्षकगणों ने चंद्रशेखर आजाद के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित किए और उन्हें याद किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल ऑफ साइंसेज के डॉ. अशोक कुमार एवं श्री दीपक शर्मा सहित स्कूल ऑफ साइंसेज के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा।

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद
शुक्रवार
21 जुलाई 2023
02

कार्यशाला: सड़क सुरक्षा के दिए टिप्स

मुरादाबाद। आईएफटीएम में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से 'सड़क सुरक्षा' विषय पर स्कूल ऑफ सांइसेज के सभागार में कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यशाला को लेकर सभी को शुभकामनाएं दीं। एनएसएस इकाई के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बीके सिंह ने सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने, शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाने, गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने की सलाह दी। स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज की निदेशिका प्रो. राजकुमारी सिंह ने सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. प्रदीप तिवारी, डॉ. राजेश शुक्ला, डॉ. अशोक कुमार, प्रो. वीपी पांडेय आदि मौजूद रहे।

आईएफटीएम में सड़क सुरक्षा विषय पर हकार्यशाला का आयोजन किया गया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में सड़क सुरक्षा विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाए जाने के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से सड़क सुरक्षा विषय पर स्कूल ऑफ सांइसेज के सभागार में एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं। कार्यशाला में एनएसएस इकाई के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने, शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाने, गाड़ी चलाते समय मोबाईल फोन का उपयोग नहीं करने आदि बिंदुओं पर भी विस्तृत प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज की निदेशिका प्रो. राजकुमारी सिंह ने सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी दी। इस कार्यशाला में शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार तिवारी ने बताया कि सड़क सुरक्षा को लेकर प्रत्येक नागरिक को जागरूक होना चाहिए और यातायात के नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए।

इस मौके पर जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शुक्ला ने कई आंखों देखी घटनाओं को साझा करते हुए कहा कि सड़क पर निकलने वाले पैदल यात्री, साइकिल सवार, हल्के व भारी वाहन चालकों के इर्द-गिर्द खतरे मंडराते रहते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सड़क पर निकलने पर हम सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का पालन करते हुए सावधानी, जागरूकता और दूरदर्शिता से ही स्वयं और दूसरों को सुरक्षित रख सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. अशोक कुमार ने किया तथा गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वी.पी. पाण्डेय ने सभी उपस्थितों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के विभागाध्यक्ष शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों समेत छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आईएफटीएम में शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने ली सड़क सुरक्षा की शपथ

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार 'सड़क सुरक्षा पखवाड़ा' मनाने के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएस एस) इकाई की ओर से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाए जाने के उद्देश्य से शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के संदर्भ में शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी की सुरक्षा हेतु बनाए गए सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का पालन करने के साथ ही अधिक से अधिक लोगों के बीच इन नियमों का प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया। एनएसएस इकाई के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने बताया कि सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत विश्वविद्यालय में विविध

कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। उन्होंने यह भी बताया कि यह पखवाड़ा 3। जुलाई तक आयोजित किया जाएगा।

इस मौके पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा ने सड़क सुरक्षा एवं यातायात से जुड़े नियमों की शपथ दिलाने के साथ ही सड़क सुरक्षा के बारे में अपने विचार भी व्यक्त किए। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राकेश कुमार यादव, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज की निदेशिका प्रो. राजकुमारी सिंह, स्कूल ऑफ एग्री कल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक प्रो. वीरेंद्र सिंह समेत कई शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्कूल ऑफ साइंसेज के डॉ० अशोक कुमार एंव श्रीमती रुचि चौधरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आईएफटीएम में 'सड़क सुरक्षा' विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार 'सड़क सुरक्षा पखवाड़ा' मनाए जाने के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से 'सड़क सुरक्षा' विषय पर स्कूल ऑफ सांइसेज के सभागार में एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं। कार्यशाला में एनएसएस इकाई के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने, शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाने, गाड़ी चलाते समय मोबाईल फोन का उपयोग नहीं करने आदि बिंदुओं पर भी विस्तृत प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज की निदेशिका प्रो. राजकुमारी सिंह ने सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी दी। इस कार्यशाला में शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार तिवारी ने बताया कि सड़क सुरक्षा को लेकर प्रत्येक नागरिक को जागरूक होना चाहिए और यातायात के नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए।

इस मौके पर जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शुक्ला ने कई आंखों देखी घटनाओं को साझा करते हुए कहा कि सड़क पर निकलने वाले पैदल यात्री, साइकिल सवार, हल्के व भारी वाहन चालकों के इर्द-गिर्द खतरे मंडराते रहते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सड़क पर निकलने पर हम सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का पालन करते हुए सावधानी, जागरूकता और दूरदर्शिता से ही स्वयं और दूसरों को सुरक्षित रख सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. अशोक कुमार ने किया तथा गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वी.पी. पाण्डेय ने सभी उपस्थितों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के विभागाध्यक्ष शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों समेत छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में सड़क सुरक्षा विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाए जाने के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से सड़क सुरक्षा विषय पर स्कूल ऑफ सांइसेज के सभागार में एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं। कार्यशाला में एनएसएस इकाई के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने, शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाने, गाड़ी चलाते समय मोबाईल फोन का उपयोग नहीं करने आदि बिंदुओं पर भी विस्तृत प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज की निदेशिका प्रो. राजकुमारी सिंह ने सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी दी। इस कार्यशाला में शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार तिवारी ने बताया कि सड़क सुरक्षा को लेकर प्रत्येक नागरिक को जागरूक होना चाहिए और यातायात के नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए।

इस मौके पर जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शुक्ला ने कई आंखों देखी घटनाओं को साझा करते हुए कहा कि सड़क पर निकलने वाले पैदल यात्री, साइकिल सवार, हल्के व भारी वाहन चालकों के इर्द-गिर्द खतरे मंडराते रहते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सड़क पर निकलने पर हम सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का पालन करते हुए सावधानी, जागरूकता और दूरदर्शिता से ही स्वयं और दूसरों को सुरक्षित रख सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. अशोक कुमार ने किया तथा गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वी.पी. पाण्डेय ने सभी उपस्थितों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के विभागाध्यक्ष शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों समेत छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आईएफटीएम में 'सड़क सुरक्षा' विषय पर कार्यशाला का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार 'सड़क सुरक्षा पखवाड़ा' मनाए जाने के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से 'सड़क सुरक्षा' विषय पर स्कूल ऑफ साइंसेज के सभागार में एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं। कार्यशाला में एनएसएस इकाई के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने, शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाने, गाड़ी चलाते समय मोबाईल फोन का उपयोग नहीं करने आदि बिंदुओं पर भी विस्तृत प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज की निदेशिका प्रो. राज. कुमारी सिंह ने सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी दी। को लेकर प्रत्येक नागरिक को जागरूक होना चाहिए और यातायात के नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए। इस मौके पर जनसंचार एवं

इस कार्यशाला में शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार तिवारी ने बताया कि सड़क सुरक्षा पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शुक्ला ने कई आँखों देखी घटनाओं को साझा करते हुए कहा कि सड़क पर निकलने वाले पैदल यात्री, साइकिल सवार, हल्के व भारी वाहन चालकों के इर्द-गिर्द खतरे मंडराते रहते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सड़क पर निकलने पर हम सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का पालन करते हुए सावधानी, जागरूकता और दूरदर्शिता से ही स्वयं और दूसरों को सुरक्षित रख सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. अशोक कुमार ने किया तथा गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वी.पी. पाण्डेय ने सभी उपस्थितों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के विभागाध्यक्ष शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों समेत छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

July 17

आईएफटीएम में शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने ली सड़क सुरक्षा की शपथ

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार ह्यसड़क सुरक्षा पखवाड़ाह्न मनाने के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाए जाने के उद्देश्य से शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के संदर्भ में शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी की सुरक्षा हेतु बनाए गए सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का पालन करने के साथ ही अधिक से अधिक लोगों के बीच इन नियमों का प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया। एनएसएस इकाई के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने बताया कि सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत विश्वविद्यालय में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। उन्होंने यह भी बताया कि यह पखवाड़ा 31 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा।

इस मौके पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा ने सड़क सुरक्षा एवं यातायात से जुड़े नियमों की शपथ दिलाने के साथ ही सड़क सुरक्षा के बारे में अपने विचार भी व्यक्त किए। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राकेश कुमार यादव, स्कूल ऑफ सोशल

साइंसेज की निदेशिका प्रो. राजकुमारी सिंह, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक प्रो. वीरेंद्र सिंह समेत कई शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्कूल ऑफ साइंसेज के डॉ० अशोक कुमार एंव श्रीमती रुचि चैधरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आईएफटीएम में 'आईसीएआर' के स्थापना दिवस के अवसर पर हुआ वृक्षारोपण

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजी. नियरिंग द्वारा 'भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), नई दिल्ली के 95वें स्थापना दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान आईएफटीएम विश्वविद्यालय की ओर से उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गांवों में से ग्राम गिन्दौड़ा एवं धनपुरा में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर विश्व. विद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आईएफटीएम विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गांवों के साथ ही आसपास के ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने की दृष्टि से समय-समय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित कराए जाते हैं। प्रो. अग्रवाल ने यह भी बताया कि पौधारोपण करने से हमारी प्राण वायु शुद्ध होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बल प्राप्त होता है।

इस दौरान ग्राम गिंदौड़ा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्री वीरेंद्र सिंह ने वृक्षारोपण का शुभारम्भ करते हुए ग्रामीणों से इस प्रयास को बढ़ावा देने के लिए सहयोग का आह्वान भी किया। इस मौके पर स्कूल के निदेशक प्रो. वीरेंद्र सिंह ने कहा कि वृक्षारोपण एवं इनकी देखभाल से वनों की कटाई से होने वाले दुरप्रभावों से बचाव के साथ ही तथा पर्यावरण संतुलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि वृक्षों द्वारा अनेक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है, जिनमें मुख्य रुप से लकड़ी, बाढ़ से बचाव एवं जलवायु संतुलन मुख्य रूप से शामिल हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कृषि विज्ञान एवं कृषि इंजी. नियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल, डॉ. कृष्णपाल, डॉ. सुलेखा का विशेष योगदान रहा। इस अभियान में शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया एवं वृक्षारोपण को बढ़ावा देने का संकल्प भी लिया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'आईसीएआर' के स्थापना दिवस के अवसर पर हुआ वृक्षारोपण

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साईंसेज एंड इंजीनियरिंग द्वारा 'भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), नई दिल्ली के 95वें स्थापना दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान आईएफटीएम विश्वविद्यालय की ओर से उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गांवों में से ग्राम गिन्दौड़ा एवं धनपुरा में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आईएफटीएम विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गांवों के साथ ही आसपास के ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने की दृष्टि से समय-समय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित कराए जाते हैं। प्रो. अग्रवाल ने यह भी बताया कि पौधारोपण करने से हमारी प्राण वायु शुद्ध होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बल प्राप्त होता है। इस दौरान ग्राम गिंदौड़ा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्री वीरेंद्र सिंह ने वृक्षारोपण का शुभारम्भ करते हुए ग्रामीणों से इस प्रयास को बढ़ावा देने के लिए सहयोग का आह्वान भी किया। इस मौके पर स्कूल के निदेशक प्रो. वीरेंद्र सिंह ने कहा कि वृक्षारोपण एवं इनकी देखभाल से वनों की कटाई से होने वाले दुरप्रभावों से बचाव के साथ ही तथा पर्यावरण संतुलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि वृक्षों द्वारा अनेक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है, जिनमें मुख्य रुप से लकड़ी, बाढ़ से बचाव एवं जलवायु संतुलन मुख्य रूप से शामिल हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कृषि विज्ञान एवं कृषि इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल, डॉ. कृष्णपाल, डॉ. सुलेखा का विशेष योगदान रहा। इस अभियान में शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने बढचढ़ कर हिस्सा लिया एवं वृक्षारोपण को बढ़ावा देने का संकल्प भी लिया।

4 दैनिक जागरण मुरादाबाद, 17 जुलाई, 2023

आइसीआर के स्थापना दिवस पर पौधारोपण

जासं, मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल आफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के 95वें स्थापना दिवस के अवसर पर पौधारोपण किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गांवों में से ग्राम गिंदौड़ा एवं धनपुरा में पौधारोपण कराया गया। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गांवों के साथ ही आसपास के ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए आयोजन होते हैं। ग्राम गिंदौड़ा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंह, कृषि विज्ञान एवं कृषि इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डा. रमेश पाल, डा. कृष्णपाल, डा. सुलेखा का विशेष योगदान रहा।

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | सोमवार, 17 जुलाई 2023
8

आईएफटीएम में आईसीएआर के स्थापना दिवस पर पौधरोपण

मुरादाबाद। आईएफटीएम विवि में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) नई दिल्ली के 95वें स्थापना दिवस के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान आईएफटीएम विश्वविद्यालय की ओर से उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गांवों में से ग्राम गिंदौड़ा व धनपुरा में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि विवि की ओर से गोद लिए गांवों के साथ ही आसपास के ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने की दृष्टि से समय-समय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित कराए जाते हैं। प्रो. संजीव अग्रवाल ने यह भी कहा कि पौधरोपण करने से हमारी प्राणवायु शुद्ध होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलता है। ब्यूरो

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईसीएआर के स्थापना दिवस के अवसर पर हुआ वृक्षारोपण

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग द्वारा ह्यभारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), नई दिल्ली के 95वें स्थापना दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान आईएफटीएम विश्वविद्यालय की ओर से उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गांवों में से ग्राम गिन्दौड़ा एवं धनपुरा में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आईएफटीएम विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गांवों के साथ ही आसपास के ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने की दृष्टि से समय-समय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित कराए जाते हैं। प्रो. अग्रवाल ने यह भी बताया कि पौधारोपण करने से हमारी प्राण वायु शुद्ध होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बल प्राप्त होता है। इस दौरान ग्राम गिंदौड़ा

के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्री वीरेंद्र सिंह ने वृक्षारोपण का शुभारम्भ करते हुए ग्रामीणों से इस प्रयास को बढ़ावा देने के लिए सहयोग का आह्वान भी किया।

इस मौके पर स्कूल के निदेशक प्रो. वीरेंद्र सिंह ने कहा कि वृक्षारोपण एवं इनकी देखभाल से वनों की कटाई से होने वाले दुरप्रभावों से बचाव के साथ ही तथा पर्यावरण संतुलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि वृक्षों द्वारा अनेक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है, जिनमें मुख्य रुप से लकड़ी, बाढ़ से बचाव एवं जलवायु संतुलन मुख्य रूप से शामिल हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कृषि विज्ञान एवं कृषि इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल, डॉ. कृष्णपाल, डॉ. सुलेखा का विशेष योगदान रहा। इस अभियान में शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने बढचढ़ कर हिस्सा लिया एवं वृक्षारोपण को बढ़ावा देने का संकल्प भी लिया। वि0

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईसीएआर के स्थापना दिवस के अवसर पर हुआ वृक्षारोपण

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), नई दिल्ली के 95वें स्थापना दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान आईएफटीएम विश्वविद्यालय की ओर से उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गांवों में से ग्राम गिन्दौड़ा एवं धनपुरा में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आईएफटीएम विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गांवों के साथ ही आसपास के ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने की दृष्टि से समय-समय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित कराए जाते हैं। प्रो. अग्रवाल ने यह भी बताया कि पौधारोपण करने से हमारी प्राण वायु शुद्ध होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बल प्राप्त होता है। इस दौरान ग्राम गिंदौड़ा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंह ने वृक्षारोपण का शुभारम्भ करते हुए ग्रामीणों से इस प्रयास को बढ़ावा देने के लिए सहयोग का आह्वान भी किया।

इस मौके पर स्कूल के निदेशक प्रो. वीरेंद्र सिंह ने कहा कि वृक्षारोपण एवं इनकी देखभाल से वनों की कटाई से होने वाले दुरुप्रभावों से बचाव के साथ ही तथा पर्यावरण संतुलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि वृक्षों द्वारा अनेक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है, जिनमें मुख्य रुप से लकड़ी, बाढ़ से बचाव एवं जलवायु संतुलन मुख्य रूप से शामिल हैं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में कृषि विज्ञान एवं कृषि इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल, डॉ. कृष्णपाल, डॉ. सुलेखा का विशेष योगदान रहा। इस अभियान में शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने बढचढ़ कर हिस्सा लिया एवं वृक्षारोपण को बढ़ावा देने का संकल्प भी लिया।

July 16

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद, रविवार, 16 जुलाई 2023
04

आईएफटीएम के शिक्षकों की पुस्तक का विमोचन करातेअतिथि।

आईएफटीएम के शिक्षकों की पुस्तक का विमोचन

मुरादाबाद। आईएफटीएम के फार्मेसी विभाग के प्रो. अरुण मिश्रा, डॉ. हरप्रीत सिंह एवं मैनेजमेंट विभाग के प्रो. राकेश यादव द्वारा 'फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग मैनेजमेंट' शीर्षक पर लिखित पुस्तक का विमोचन कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने किया। उल्लेखनीय है कि फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा संपूर्ण भारत में बी.फार्मा पाठ्यक्रम के सभी वर्षों में एक समान पाठ्यक्रम लागू है।

6 दैनिक जागरण मुरादाबाद, 16 जुलाई, 2023

आइएफटीएम विश्वविद्यालय में 'फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग मैनेजमेंट' पुस्तक का विमोचन करते कुलपति डा. महेंद्र प्रसाद पांडेय • सौ. विश्वविद्यालय

आइएफटीएम के शिक्षकों की पुस्तक का किया गया विमोचन

जासं, मुरादाबाद : आइएफटीएम के 'फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग मैनेजमेंट' शीर्षक पर लिखित पुस्तक का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पांडेय ने किया। पुस्तक फार्मेसी विभाग के प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, डा. हरप्रीत सिंह एवं मैनेजमेंट विभाग के प्रो. राकेश कुमार यादव द्वारा लिखी गई है। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा संपूर्ण भारत में बी. फार्मा पाठ्यक्रम के सभी वर्षों में एक समान पाठ्यक्रम लागू है। समान पाठ्यक्रम की दृष्टि से इस पुस्तक के अध्ययन से केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में बी. फार्मा. पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने बताया कि यह पुस्तक अद्यतन पाठ्य सामग्री को समाहित करते हुए अत्यंत सरल भाषा में लिखी गई है। निदेशक एचआर डा. वैभव त्रिवेदी ने बताया कि प्रो. मिश्रा, डा. सिंह एवं प्रो. यादव के पूर्व में भी विभिन्न प्रकार के शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

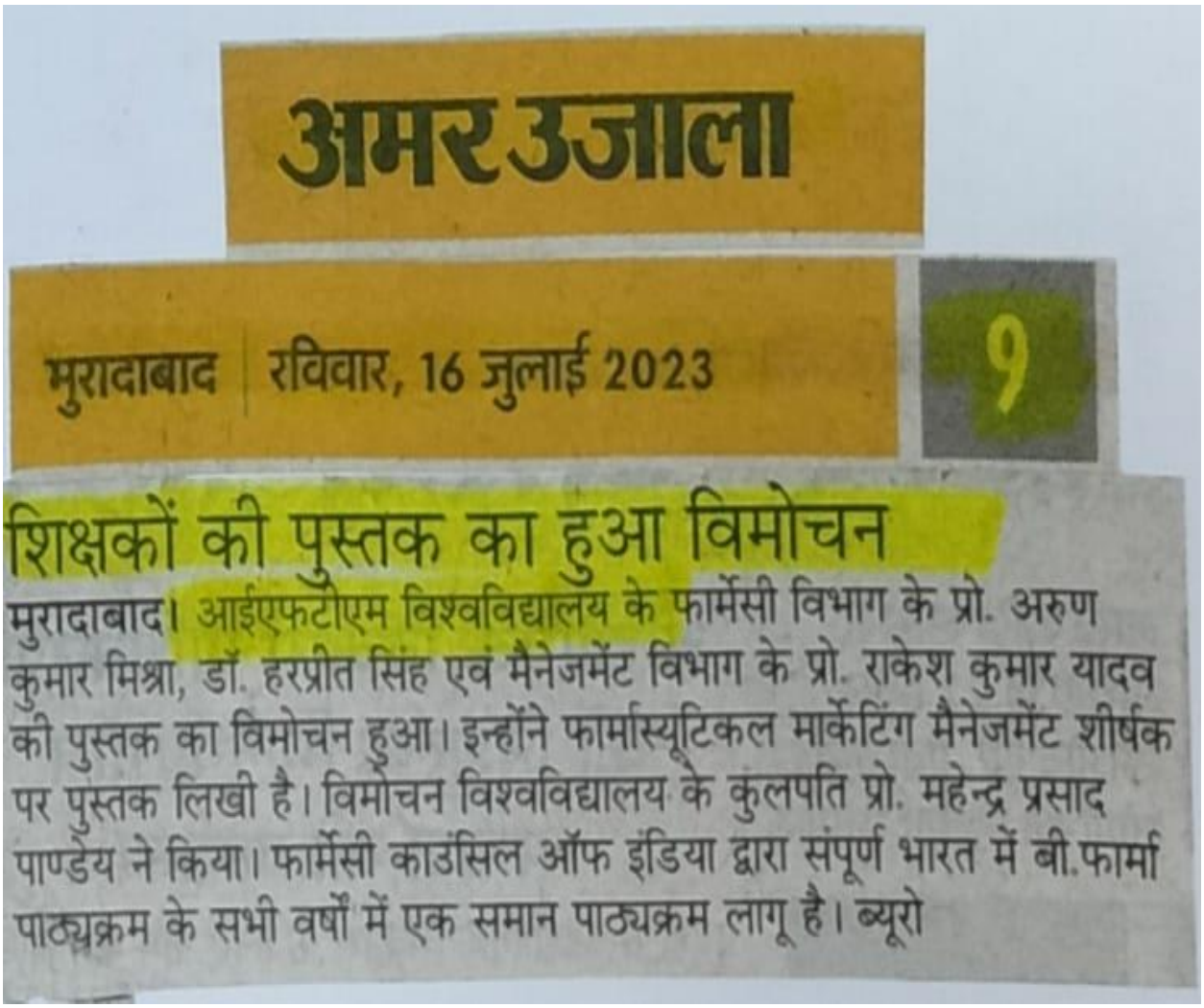

अमर उजाला

मुरादाबाद | रविवार, 16 जुलाई 2023

9

शिक्षकों की पुस्तक का हुआ विमोचन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, डॉ. हरप्रीत सिंह एवं मैनेजमेंट विभाग के प्रो. राकेश कुमार यादव की पुस्तक का विमोचन हुआ। इन्होंने फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग मैनेजमेंट शीर्षक पर पुस्तक लिखी है। विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने किया। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा संपूर्ण भारत में बी.फार्मा पाठ्यक्रम के सभी वर्षों में एक समान पाठ्यक्रम लागू है। ब्यूरो

आईएफटीएम के शिक्षकों की पुस्तकों का हुआ विमोचन

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। आईएफटीएम के फार्मेसी विभाग के प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, डॉ. हरप्रीत सिंह एवं मैनेजमेंट विभाग के प्रो. राकेश कुमार यादव द्वारा 'फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग मैनेजमेंट' शीर्षक पर लिखित पुस्तक का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने अपने कर-कमलों द्वारा किया। उल्लेखनीय है कि फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा संपूर्ण भारत में बी.फार्मा पाठ्यक्रम के सभी वर्षों में एक समान पाठ्यक्रम लागू है। समान पाठ्यक्रम की दृष्टि से इस पुस्तक के अध्ययन से केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में बी.फार्मा. पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने बताया कि यह

पुस्तक अद्यतन पाठ्य सामग्री को समाहित करते हुए अत्यंत सरल भाषा में लिखी गई है। निदेशक एचआर डॉ. वैभव त्रिवेदी ने बताया कि अध्यापन के क्षेत्र में प्रो. मिश्रा का 15 वर्ष, डॉ. सिंह का 11 वर्ष और प्रो. यादव का 23 वर्ष का अनुभव रहा है। प्रो. मिश्रा, डॉ. सिंह एवं प्रो. यादव द्वारा पूर्व में भी विभिन्न प्रकार के शोधपत्र प्रकाशित किए जा चुके हैं। फार्मेसी विभाग के निर्देशक प्रो. सुशील कुमार एवं मैनेजमेंट विभाग की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने उक्त सभी शिक्षकों को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

आईएफटीएम के शिक्षक प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, डॉ. हरप्रीत सिंह एवं प्रो. राकेश कुमार यादव की पुस्तक का हुआ विमोचन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम के फामेर्सी विभाग के प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, डॉ. हरप्रीत सिंह एवं मैनेजमेंट विभाग के प्रो. राकेश कुमार यादव द्वारा फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग मैनेजमेंट शीर्षक पर लिखित पुस्तक का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने अपने कर-कमलों द्वारा किया। उल्लेखनीय है कि फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा संपूर्ण भारत में बी.फार्मा पाठ्यक्रम के सभी वर्षों में एक समान पाठ्यक्रम लागू है। समान पाठ्यक्रम की दृष्टि से इस पुस्तक के अध्ययन से केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में बी.फार्मा. पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने बताया कि यह पुस्तक अद्यतन पाठ्य सामग्री को समाहित करते हुए अत्यंत सरल भाषा में लिखी गई है। निदेशक एचआर डॉ. वैभव त्रिवेदी ने बताया कि अध्यापन के क्षेत्र में प्रो. मिश्रा का 15 वर्ष, डॉ. सिंह का 11 वर्ष और प्रो. यादव का 23 वर्ष का अनुभव रहा है। प्रो. मिश्रा, डॉ. सिंह एवं प्रो. यादव द्वारा पूर्व में भी विभिन्न प्रकार के शोधपत्र प्रकाशित किए जा चुके हैं। फामेर्सी विभाग के निर्देशक प्रो. सुशील कुमार एवं मैनेजमेंट विभाग की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने उक्त सभी शिक्षकों को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

JULY 13

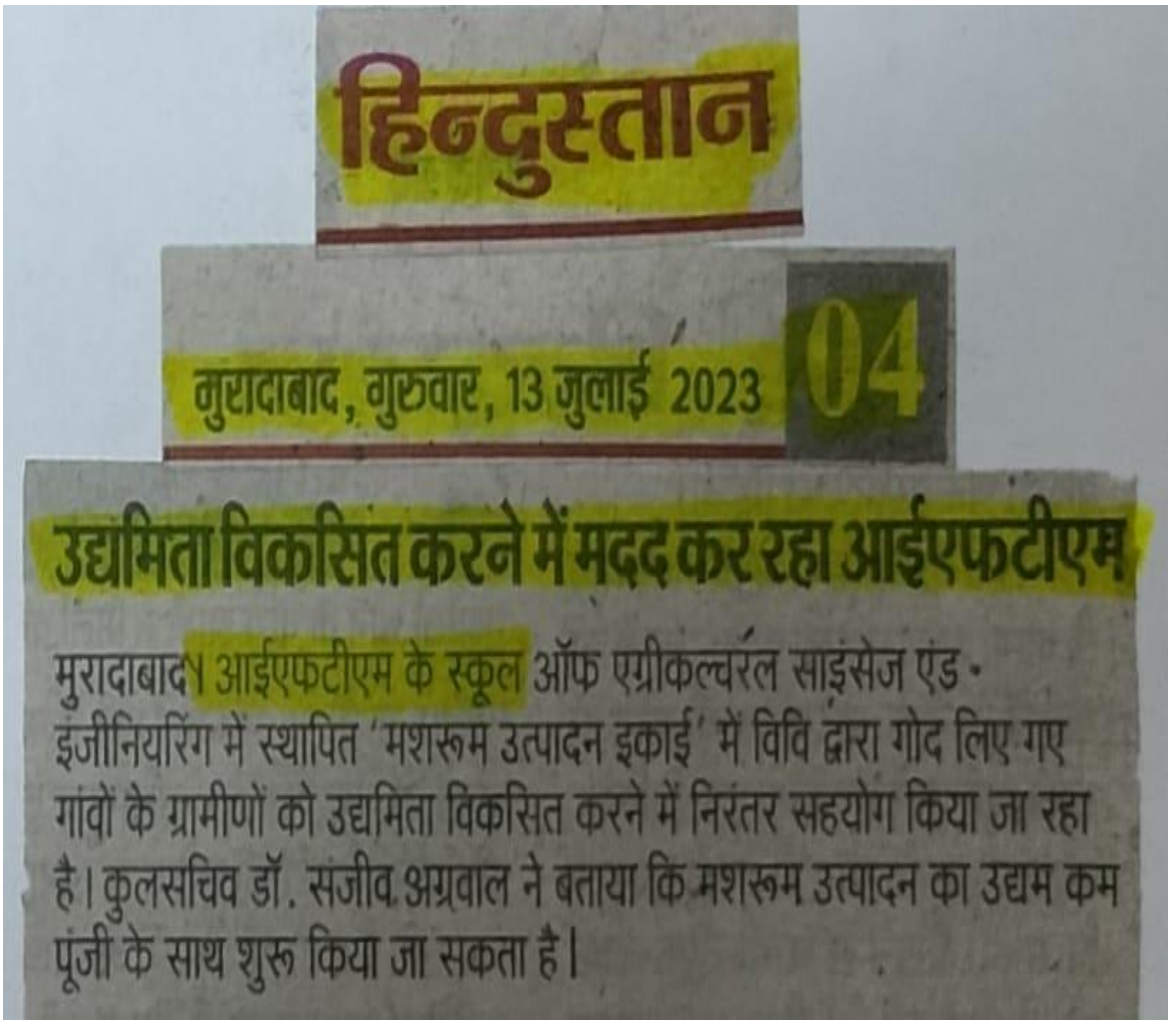

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, गुरुवार, 13 जुलाई 2023 04

उद्यमिता विकसित करने में मदद कर रहा आईएफटीएम

मुरादाबाद। आईएफटीएम के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग में स्थापित 'मशरूम उत्पादन इकाई' में विवि द्वारा गोद लिए गए गांवों के ग्रामीणों को उद्यमिता विकसित करने में निरंतर सहयोग किया जा रहा है। कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने बताया कि मशरूम उत्पादन का उद्यम कम पूंजी के साथ शुरू किया जा सकता है।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मशरूम उत्पादन और तकनीकी सहायता केंद्र द्वारा किया जा रहा ग्रामीणों का सहयोग

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग में स्थापित मशरूम उत्पादन इकाई में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के ग्रामीणों को उद्यमिता विकसित करने में निरन्तर सहयोग किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने बताया कि मशरूम उत्पादन का उद्यम कम पूंजी के साथ आरंभ किया जा सकता है तथा आजीविका उपार्जन के साथ-साथ इसके उत्पादन से अच्छा मुनाफा भी प्राप्त किया जा सकता है। मशरूम उत्पादन इकाई के समन्वयक व स्कूल के डॉ. ए.एन. चैबे ने बताया कि मशरूम उत्पादन करने के लिए इस उद्यम को स्थापित करने हेतु इस इकाई से पर्याप्त तकनीकी सहायता एवं

प्रशिक्षण प्राप्त किया जा सकता है। मशरूम में अनेक प्रकार के पोषक तत्व पाए जाने के कारण इसे भोजन में शामिल करना अत्यंत स्वास्थ्यवर्धक रहता है। डॉ. चैबे ने यह भी बताया कि मशरूम का उत्पादन तीनों मौसम में किया जा सकता है, जिसकी प्रजाति अलग-अलग होती हैं। वर्षा ऋतु में मुख्य रूप से दूधिया मशरूम का उत्पादन किया जाता है। मशरूम उत्पादन में महिलाएं अग्रणी भूमिका निभा सकती हैं। वहीं स्कूल के श्री कमल सिंह ने जानकारी दी मशरूम में प्रचुर मात्रा में विटामिन सी, विटामिन बी, सिक्स नोहा मैग्नीशियम, फाइबर इत्यादि एवं सूक्ष्म पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को विभिन्न बीमारियों से बचाते हैं। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से मांस से आवश्यक उच्च प्रोटीन स्तर और आवश्यक अमीनो एसिड के कारण मशरूम को वनस्पति मांस के रूप में जाना जाता है। वि0

आईएफटीएम में मशरूम उत्पादन और तकनीकी सहायता केंद्र द्वारा किया जा रहा

ग्रामीणों का सहयोग

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग में स्थापित मशरूम उत्पादन इकाई में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के ग्रामीणों को उद्यमिता विकसित करने में निरन्तर सहयोग किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने बताया कि मशरूम उत्पादन का उद्यम कम पूंजी के साथ आरंभ किया जा सकता है तथा आजीविका उपार्जन के साथ-साथ इसके उत्पादन से अच्छा मुनाफा भी प्राप्त किया जा सकता है। मशरूम उत्पादन इकाई के समन्वयक व स्कूल के डॉ. ए.एन. चैबे ने बताया कि मशरूम उत्पादन करने के लिए इस उद्यम को स्थापित करने हेतु इस इकाई से पर्याप्त तकनीकी सहायता एवं प्रशिक्षण प्राप्त किया जा सकता है। मशरूम में अनेक प्रकार के पोषक तत्व पाए जाने के कारण इसे भोजन में शामिल करना अत्यंत स्वास्थ्यवर्धक रहता है। डॉ. चैबे ने यह भी बताया कि मशरूम का उत्पादन तीनों मौसम में किया जा सकता है, जिसकी प्रजाति अलग-अलग होती हैं। वर्षा ऋतु में मुख्य रूप से दूधिया मशरूम का उत्पादन किया जाता है। मशरूम उत्पादन में महिलाएं अग्रणी भूमिका निभा सकती हैं। वहीं स्कूल के श्री कमल सिंह ने जानकारी दी मशरूम में प्रचुर मात्रा में विटामिन सी, विटामिन बी, सिक्स नोहा मैग्नीशियम, फाइबर इत्यादि एवं सूक्ष्म पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को विभिन्न बीमारियों से बचाते हैं। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से मांस से आवश्यक उच्च प्रोटीन स्तर और आवश्यक अमीनो एसिड के कारण मशरूम को वनस्पति मांस के रूप में जाना जाता है।

JULY 11

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मनोज कुमार को '26 वीं इलेट्स वर्ल्ड एजूकेशन समिट 2023' में किया सम्मानित

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक व इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार को दिल्ली में आयोजित '26 वीं इलेट्स वर्ल्ड एजूकेशन समिट 2023' में प्रतिभाग करने के दौरान 'इंडियाज प्रेमियर इवेंट ऑन इनोवेशन इन एजूकेशन' के अंतर्गत 'राउण्ड टेबल स्पीकर प्रमाण पत्र' से सम्मानित किया गया है। प्रो. कुमार ने राउंड टेबल स्पीकर के रूप में 'इंजीनियरिंग के ग्रेजुएट्स को इंडस्ट्री 4.0' के लिए तैयार करने के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. कुमार ने बताया कि वर्तमान की इंडस्ट्री रेवोल्यूशन 4.0 में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी) के माध्यम से प्रोडक्शन को गति दी जा रही है, इसलिए इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग से संबंधित कोर्स को पढ़ाया जाना अति आवश्यक है। साथ ही उन्हें 'स्टेट ऑफ द आर्ट लेबोरेट्री' से लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के बारे में भी अवगत कराना होगा। हमारे देश में युवाओं की संख्या पूरे विश्व के देशों की तुलना में अधिक होने व वर्ल्ड की टॉप सॉफ्टवेयर इंडस्ट्रीज में उच्चतम स्थान प्राप्त करने के साथ-साथ 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स' में काम करने के अत्यधिक अवसर हैं। उन्होंने यह भी बताया कि टेक्नोलॉजिकल संस्थानों को चाहिए कि इन युवाओं के लिए हर सप्ताह नवीनमत तकनीकियों पर आधारित एक्सपर्ट सेशन्स आयोजित करने को महत्वपूर्ण बताया। जैसा कि वर्ष 2019 से मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन इनोवेशन सेल द्वारा स्थापित आईआईसी के माध्यम से लगभग पांच हजार से ज्यादा विश्वविद्यालयों को जोड़कर टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, एंटरप्रिन्योरशिप, स्टार्ट-अप और बिजनेस विषयों में विभिन्न कार्यशालाएं और एक्टिविटीज का आयोजन जारी है। प्रो. कुमार ने जानकारी दी कि हमारे विश्वविद्यालय में भी काफी संख्या में स्टार्ट-अप चलाए जा रहे हैं। दिल्ली में आयोजित इस वर्ल्ड एजुकेशन समिट में मुख्य अतिथि के रूप में एआईसीटीई के चेयरमैन प्रो. टी.जी. सीताराम ने भी मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं नागालैंड के शिक्षा मंत्री श्री तेमजेन इम्ना अलोंग ने भी डिजिटल लिटरेसी विषय पर सविस्तार जानकारी उपलब्ध कराई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने इस अवसर पर प्रो. प्रो. मनोज कुमार को तहे दिल से बधाई देते हुए भविष्यमयी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने युवा पीढ़ी को सलाह देते हुए कहा कि आज तथा आगामी परिवेश में उनके द्वारा रिसर्च और इन्नोवेशन के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने की आवश्यकता है। वर्तमान में टीचिंग-लर्निंग प्रोसेस में आईओटी द्वारा गुणवतपूर्ण शिक्षा देनें का सभी उच्च शिक्षण संस्थाओं में निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। साथ ही इस सराहनीय उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार की ओर से भी प्रो. मनोज कुमार को शुभकामनाएं दी गईं।

www.livehindustan.com
हिन्दुस्तान
मुरादाबाद, मंगलवार, 11 जुलाई 2023
04

दिल्ली में आयोजित इलेट्स वर्ल्ड एजुकेशन समिट में सम्मान प्राप्त करते आईएफटीएम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मनोज कुमार।

आईएफटीएम विवि के प्रोफेसर को मिला सम्मान

मुरादाबाद। दिल्ली में आयोजित 26 वीं इलेट्स वर्ल्ड एजुकेशन समिट में आईएफटीएम विवि के प्रोफेसर को सम्मानित किया गया। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रोफेसर मनोज कुमार को राउंड टेबल स्पीकर के लिए सम्मानित किया। यहां प्रोफेसर मनोज, विश्वविद्यालय के कुलपति महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने प्रोफेसर मनोज कुमार को शुभकामनाएं दीं।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मनोज कुमार को 21वीं इलेट्स वर्ल्ड एजूकेशन समिट 2023 में किया गया सम्मानित

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक व इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार को दिल्ली में

आयोजित वीं इलेट्स वर्ल्ड एजूकेशन समिट 2023 में प्रतिभाग करने के दौरान इंडियाज प्रेमियर इवेंट ऑन इनोवेशन इन एजूकेशन के अंतर्गत राउण्ड टेबल स्पीकर प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया है। प्रो. कुमार ने राउंड टेबल स्पीकर के रूप में इंजीनियरिंग के ग्रेजुएट्स को इंडस्ट्री 4.0 के लिए तैयार करने के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. कुमार ने बताया कि वर्तमान की इंडस्ट्री रेवोल्यूशन 4.0 में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी) के माध्यम से प्रोडक्शन को गति दी जा रही है, इसलिए इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग से संबंधित कोर्स को पढ़ाया जाना अति आवश्यक है। साथ ही उन्हें स्टेट ऑफ द आर्ट लेबोरेट्री से लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के बारे में भी अवगत कराना होगा। हमारे देश में युवाओं की संख्या पूरे विश्व के देशों की तुलना में अधिक होने व वर्ल्ड की टॉप सॉफ्टवेयर इंडस्ट्रीज में उच्चतम स्थान प्राप्त करने के साथ-साथ इंटरनेट ऑफ थिंग्स में काम करने के अत्यधिक अवसर हैं। उन्होंने यह भी बताया कि टेक्नोलॉजिकल संस्थानों को चाहिए कि इन युवाओं के लिए हर सप्ताह नवीनमत तकनीकियों पर आधारित एक्सपर्ट सेशन्स आयोजित करने को महत्वपूर्ण बताया। जैसा कि वर्ष 2019 से मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन इनोवेशन सेल द्वारा स्थापित आईआईसी के माध्यम से लगभग पांच हजार से ज्यादा विश्वविद्यालयों को जोड़कर टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, एंटरप्रिन्योरशिप, स्टार्ट-अप और बिजनेस विषयों में विभिन्न कार्यशालाएं और एक्टिविटीज का आयोजन जारी है। प्रो. कुमार ने जानकारी दी कि हमारे विश्वविद्यालय में भी काफी संख्या में स्टार्ट-अप चलाए जा रहे हैं। दिल्ली में आयोजित इस वर्ल्ड एजुकेशन समिट में मुख्य अतिथि के रूप में एआईसीटीई के चेयरमैन प्रो. टी.जी. सीताराम ने भी मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं नागामेंड के शिक्षा मंत्री श्री तेमजेन इम्ना अलोंग ने भी डिजिटल लिटरेसी विषय पर सविस्तार जानकारी उपलब्ध कराई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने इस अवसर पर प्रो. प्रो. मनोज कुमार को तहे दिल से बधाई देते हुए भविष्यमयी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने युवा पीढ़ी को सलाह देते हुए कहा कि आज तथा आगामी परिवेश में उनके द्वारा रिसर्च और इन्नोवेशन के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने की आवश्यकता है। वर्तमान में टीचिंग-लर्निंग प्रोसेस में आईओटी द्वारा गुणवतपूर्ण शिक्षा देनें का सभी उच्च शिक्षण संस्थाओं में निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। साथ ही इस सराहनीय उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार की ओर से भी प्रो. मनोज कुमार को शुभकामनाएं दी गईं। वि0

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | मंगलवार, 11 जुलाई 2023
6

मनोज कुमार को मिला राउंड टेबल स्पीकर प्रमाणपत्र सम्मान

मुरादाबाद। आईएफटीएम विवि के प्रोफेसर मनोज कुमार को 26 वीं इलेट्स वर्ल्ड एजूकेशन समिट 2023 में सम्मानित किया गया।

स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक व इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार को इंडियाज प्रीमियर इवेंट ऑन इनोवेशन इन एजूकेशन के अंतर्गत राउंड टेबल स्पीकर प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान की इंडस्ट्री रेवोल्यूशन 4.0 में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) के माध्यम से उत्पादन को गति दी जा रही है। ब्यूरो

आईएफटीएम के प्रोफेसर मनोज कुमार को '26 वीं इलेट्स वर्ल्ड एजूकेशन समिट 2023' में किया सम्मानित

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक व इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार को दिल्ली में आयोजित '26 वीं इलेट्स वर्ल्ड एजूकेशन समिट 2023' में प्रतिभाग करने के दौरान 'इंडियाज प्रेमियर इवेंट ऑन इनोवेशन इन एजूकेशन' के अंतर्गत 'राउण्ड टेबल स्पीकर प्रमाण पत्र' से सम्मानित किया गया है। प्रो. कुमार ने राउंड टेबल स्पीकर के रूप में 'इंजीनियरिंग के ग्रेजुएट्स को इंडस्ट्री 4.0' के लिए तैयार करने के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. कुमार ने बताया कि वर्तमान की इंडस्ट्री रेवोल्यूशन 4.0 में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ. टी) के माध्यम से प्रोडक्शन को गति दी जा रही है, इसलिए इंजी. नियरिंग के विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग से संबंधित कोर्स को पढ़ाया जाना अति आवश्यक है। साथ ही उन्हें 'स्टेट ऑफ द आर्ट लेबोरेट्री' से लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के बारे में भी अवगत कराना होगा। हमारे देश में युवाओं की संख्या पूरे विश्व के देशों की तुलना में अधिक होने व वर्ल्ड की टॉप सॉफ्टवेयर इंडस्ट्रीज में उच्चतम स्थान प्राप्त करने के साथ-साथ 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स' में काम करने के अत्यधिक अवसर हैं। उन्होंने यह भी बताया कि टेक्नोलॉजिकल संस्थानों को चाहिए कि इन युवाओं के लिए हर सप्ताह नवीनमत तकनीकियों पर आधारित एक्सपर्ट सेशन्स आयोजित करने को महत्वपूर्ण बताया। जैसा कि वर्ष 2019 से माध्यम से लगभग पांच हजार से ज्यादा विश्वविद्यालयों को जोड़कर

मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन इनोवेशन सेल द्वारा स्थापित आईआईसी के टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, एंटरप्रिन्योरशिप, स्टार्ट-अप और बिजनेस विषयों में विभिन्न कार्यशालाएं और एक्टिविटीज का आयोजन जारी है। प्रो. कुमार ने जानकारी दी कि हमारे विश्वविद्यालय में भी काफी संख्या में स्टार्ट-अप चलाए जा रहे हैं। दिल्ली में आयोजित इस वर्ल्ड एजुकेशन समिट में मुख्य अतिथि के रूप में एआईसीटीई के चेयरमैन प्रो. टी. जी. सीताराम ने भी मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं नागालैंड के शिक्षा मंत्री श्री तेमजेन इम्ना अलोंग ने भी डिजिटल लिटरेसी विषय पर सविस्तार जानकारी उपलब्ध कराई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने इस अवसर पर प्रो. प्रो. मनोज कुमार को तहे दिल से बधाई देते हुए भविष्यमयी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने युवा पीढ़ी को सलाह देते हुए कहा कि आज तथा आगामी परिवेश में उनके द्वारा रिसर्च और इन्नोवेशन के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने की आवश्यकता है। वर्तमान में टीचिंग-लर्निंग प्रोसेस में आईओटी द्वारा गुणवतपूर्ण शिक्षा देनें का सभी उच्च शिक्षण संस्थाओं में निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। साथ ही इस सराहनीय उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार की ओर से भी प्रो. मनोज कुमार को शुभकामनाएं दी गई।

JULY 9

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 24 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स ने चलाया वृक्षारोपण अभियान

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय परिसर में 24 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने वृक्षारोपण अभियान के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रकृति के संतुलन व मानव के जीवन को सुखी एवं समृद्ध बनाए रखने में वृक्षारोपण का अपना विशेष महत्व है।

इस वृक्षारोपण अभियान की मुख्य अतिथि व प्रो. (मेजर) राजकुमारी सिंह ने वृक्षारोपण का शुभारम्भ करते हुए प्रतिभागी कैडेट्स को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी कहा कि वृक्ष प्रकृति की अनमोल धरोहर व इस सृष्टि की आत्मा हैं। वृक्षों के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है, क्योंकि वृक्षों से हमें ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इस मौके पर एनसीसी 24 बटालियन के केयर टेकर अधिकारी प्रोफेसर योगेंद्र सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वृक्ष वातावरण को शुद्ध व स्वच्छ बनाते हैं। इनकी जड़ें भूमि के कटाव को रोकती है तथा वृक्षों के पत्ते भूमि पर गिरकर मिट्टी के साथ खाद बन जाते हैं, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। इस वृक्षारोपण अभियान में तथा एनसीसी कैडेट्स देवऋषि पांडे, अनुज कुमार, सुमित एवं अर्जुन समेत अन्य एनसीसी कैडेट्स ने अत्यंत ही उत्साह के साथ प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में 24 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा चलाया गया वृक्षारोपण अभियान

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय परिसर में 24 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने वृक्षारोपण अभियान के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रकृति के संतुलन व मानव के जीवन को सुखी एवं समृद्ध बनाए रखने में वृक्षारोपण का अपना विशेष महत्व है। इस वृक्षारोपण अभियान की मुख्य अतिथि व प्रो. (मेजर) राजकुमारी सिंह ने वृक्षारोपण का शुभारम्भ करते हुए प्रतिभागी कैडेट्स को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी कहा कि वृक्ष प्रकृति की अनमोल धरोहर व इस सृष्टि की आत्मा हैं। वृक्षों के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है, क्योंकि वृक्षों से हमें ऑक्सीजन प्राप्त होती है।

इस मौके पर एनसीसी 24 बटालियन के केयर टेकर अधिकारी प्रोफेसर योगेंद्र सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वृक्ष वातावरण को शुद्ध व स्वच्छ बनाते हैं। इनकी जड़ें भूमि के कटाव को रोकती है तथा वृक्षों के पत्ते भूमि पर गिरकर मिट्टी के साथ खाद बन जाते हैं, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। इस वृक्षारोपण अभियान में तथा एनसीसी कैडेट्स देवऋषि पांडे, अनुज कुमार, सुमित एवं अर्जुन समेत अन्य एनसीसी कैडेट्स ने अत्यंत ही उत्साह के साथ प्रतिभाग किया।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद
रविवार
9 जुलाई 2023

02

आईएफटीएम में शनिवार को पौधरोपण करते एनसीसी कैडेट्स।

कैडेट्स ने चलाया पौधरोपण अभियान

मुरादाबाद। आईएफटीएम में शनिवार को 24 यूपी बटालियन के एनसीसी कैडेट्स ने पौधरोपण अभियान चलया। बतौर मुख्य अतिथि राजकुमारी सिंह ने शुभारंभ कर कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया। साथ ही कैडेट्स को पर्यावरण के प्रति प्रेरित भी किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव संजीव अग्रवाल ने पौधरोपण अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं।

JULY 8

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद
शनिवार
8 जुलाई 2023
02

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय के डॉ. अभिषेक तिवारी की पुस्तक का विमोचन करतीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल।

राज्यपाल ने किया पुस्तक का विमोचन

मुरादाबाद। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय के डॉ. अभिषेक तिवारी द्वारा लिखित अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक 'टर्पेनॉयड्स: रसायन विज्ञान, जैव रसायन, औषधीय प्रभाव, जनजातीय फार्मेकोलॉजी' का विमोचन किया। विवि. के कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय, फार्मेसी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने डॉ. तिवारी की प्रशंसा की।

अमर उजाला

मुरादाबाद | शनिवार, 8 जुलाई 2023

9

राज्यपाल ने किया डॉ. अभिषेक तिवारी की पुस्तक का विमोचन

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय के डॉ. अभिषेक तिवारी द्वारा लिखित अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक ''टर्पेनॉयड्सः रसायन विज्ञान, जैव रसायन, औषधीय प्रभाव, जनजातीय फार्मेकोलॉजी'' का विमोचन किया।

सीआरसी प्रेस, फ्लोरिडा द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक विभिन्न पौधों और कवकों में पाए जाने वाले जैविक यौगिकों की दिलचस्पी रखने वाले टर्पेनॉयड्स की रोचक दुनिया में प्रवेश करती है।

इस पुस्तक में इनके रासायनिक संरचनाओं, जैविक गुणों, और चिकित्सा में उनके उपयोगों का विशेष रूप से उनके नैदानिक प्रभाव और नैदानिक फार्माकोलॉजी पर ध्यान केंद्रित करते हुए विस्तार संबोधित किया गया है।

कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पांडेय ने डॉ. अभिषेक तिवारी को बधाई दी। फार्मेसी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक के प्रकाशन से डॉ. अभिषेक तिवारी और आईएफटीएम विवि के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल हुआ है। ब्यूरो

JULY 7

राज्यपाल ने किया आईएफटीएम यूनिवर्सिटी के फामेर्सी संकाय के डॉ. अभिषेक तिवारी की पुस्तक का विमोचन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अपने कर-कमलों द्वारा आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फामेर्सी संकाय के डॉ. अभिषेक तिवारी द्वारा लिखित अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक टर्पेनॉयड्सः रसायन विज्ञान, जैव रसायन, औषधीय प्रभाव, जनजातीय फामेकोलॉजी का विमोचन किया। सीआरसी प्रेस, फ्लोरिडा द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक विभिन्न पौधों और कवकों में पाए जाने वाले जैविक यौगिकों की दिलचस्पी रखने वाले टर्पेनॉयड्स की रोचक दुनिया में प्रवेश करती है। इस पुस्तक में इनके रासायनिक संरचनाओं, जैविक गुणों, और चिकित्सा में उनके उपयोगों का विशेष रूप से उनके नैदानिक प्रभाव और नैदानिक फामाकोलोजी पर ध्यान केंद्रित करते हुए विस्तार संबोधित किया गया है। इस पुस्तक के लेखक डॉ. अभिषेक तिवारी ने आईएफटीएम विश्वविद्यालय, सीआरसी प्रेस और उनके सहयोगियों से प्राप्त समर्थन के लिए अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने यह भी बताया कि विश्वव्यापी शोधकताओं के सहयोग से लिखित इस पुस्तक में प्रस्तुत किए गए विस्तृत ज्ञान एवं योगदान के पीछे साझेदारी के प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह पुस्तक टर्पेनॉयड केमिस्ट्री, बायोकेमिस्ट्री, और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में रुचि रखने वाले शोधकताओं, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों के लिए एक मूल्यवान स्रोत होने का वादा करती है, जो इस जटिल और उम्मीदवार क्षेत्र में व्यापक दर्शन प्रदान करती है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने डॉ. तिवारी की इस उल्लेखनीय उपलब्धि हेतु उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए बधाई दी। डॉ. तिवारी के लेखन अकादमिक समुदाय द्वारा उनकी पहचान को प्रतिबिंबित करने के साथ ही वैज्ञानिक ज्ञान और टर्पेनॉयड अध्ययन के क्षेत्र में उनकी समझ को आगे बढ़ाने में उनके प्रभाव को प्रतिष्ठानित करते हैं। फामेर्सी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक के प्रकाशन से डॉ. तिवारी और आईएफटीएम विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल हुआ है, जो वैज्ञानिक शोध को आगे बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर ज्ञान-विनिमय को प्रोत्साहित करने की उनकी प्रतिबद्धता को प्रकट करता है। प्रो. वर्मा ने यह भी बताया कि आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फैकल्टी मेंबर्स लगातार रिसर्च के क्षेत्र में काम कर रहे हैं, बहुत सारे फैकल्टी मेंबर्स विभिन्न शोध-पत्रों में अपने पेपर्स प्रकाशित करने के साथ-साथ बहुत सारे पेटेंट भी ग्रांट करा चुके हैं।

राज्यपाल ने किया आईएफटीएम के फार्मेसी संकाय के डॉ. अभिषेक तिवारी की पुस्तक का विमोचन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीब. 'न पटेल ने अपने कर-कमलों द्वारा आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय के डॉ. अभिषेक तिवारी द्वारा लिखित अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक ''टर्पेनॉयड्स: रसायन विज्ञान, जैव रसायन, औषधीय प्रभाव, जनजातीय फार्मेकोलॉजी'' का विमोचन किया। सीआरसी प्रेस, फ्लोरिडा द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक विभिन्न पौधों और कवकों में पाए जाने वाले जैविक यौगिकों की दिलचस्पी रखने वाले टर्पेनॉयड्स की रोचक दुनिया में प्रवेश करती है। इस पुस्तक में इनके रासायनिक संरचनाओं, जैविक गुणों, और चिकित्सा में उनके उपयोगों का विशेष रूप से उनके नैदानिक प्रभाव और नैदानिक फार्माकोलोजी पर ध्यान केंद्रित करते हुए विस्तार संबोधित किया गया है। इस पुस्तक के लेखक डॉ. अभिषेक तिवारी ने आईएफटीएम विश्वविद्यालय, सीआरसी प्रेस और उनके सहयोगियों से प्राप्त समर्थन के लिए अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने यह भी बताया कि विश्वव्यापी शोधकर्ताओं के सहयोग से लिखित इस पुस्तक में प्रस्तुत किए गए विस्तृत ज्ञान एवं योगदान के पीछे साझेदारी के प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह पुस्तक टर्पेनॉयड केमिस्ट्री, बायोकेमिस्ट्री, और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में रुचि रखने वाले शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों के लिए एक मूल्यवान स्रोत होने का वादा करती है, जो इस जटिल और उम्मीदवार क्षेत्र में व्यापक दर्शन प्रदान करती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने डॉ0 तिवारी की इस उल्लेखनीय उपलब्धि हेतु उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए बधाई दी। डॉ0 तिवारी के लेखन अकादमिक समुदाय द्वारा उनकी पहचान को प्रतिबिंबित करने के साथ ही वैज्ञानिक ज्ञान और टर्पेनॉयड अध्ययन के क्षेत्र में उनकी समझ को आगे बढ़ाने में उनके प्रभाव को प्रतिष्ठानित करते हैं। फार्मेसी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक के प्रकाशन से डॉ0 तिवारी और आईएफटीएम विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल हुआ है, जो वैज्ञानिक शोध को आगे बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर ज्ञान-विनिमय को प्रोत्साहित करने की उनकी प्रतिबद्धता को प्रकट करता है। प्रो. वर्मा ने यह भी बताया कि आईएफटीएम विश्व. विद्यालय के फैकल्टी मेंबर्स लगातार रिसर्च के क्षेत्र में काम कर रहे हैं, बहुत सारे फैकल्टी मेंबर्स विभिन्न शोध-पत्रों में अपने पेपर्स प्रकाशित करने के साथ-साथ बहुत सारे पेटेंट भी ग्रांट करा चुके हैं।